## वेम्बनाड झील

### संदर्भ

वेम्बनाड झील के नेदियाथुरुथु द्वीप पर कपिको रिसॉर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के अवैध रूप से निर्मित विला का विध्वंस हाल ही में शुरू हुआ।

### प्रमुख बिंदु

• रिजॉर्ट को तोड़ना मछली पकड़ने वाले समुदाय के लिए एक बड़ी जीत है और तटीय विनियमन क्षेत्र (सीआरजेड) अधिनियम और अन्य मानदंडों का उल्लंघन करने वाली संरचनाओं के निर्माण के खिलाफ चेतावनी है।

• 2007 में कपिको ने 11.5 एकड़ का द्वीप खरीदा था।

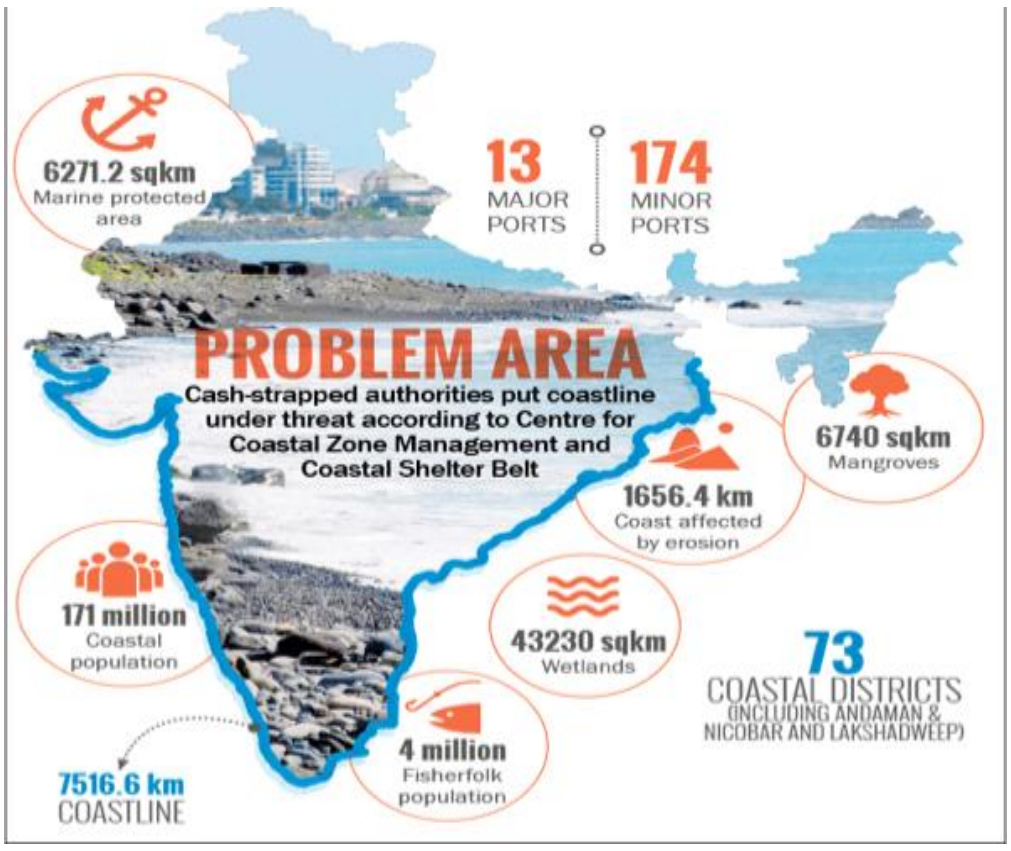


• हालांकि, विला के निर्माण के लिए 13 लाइसेंस प्राप्त मछली जाल हटा दिए जाने के बाद इस क्षेत्र में मछुआरे परिवारों के जीवनी सम्बन्धी संकट खड़ा हो गया था।

### वेम्बनाड झील के बारे में

• वेम्बनाड भारत की सबसे लंबी झील होने के साथ-साथ केरल राज्य की सबसे बड़ी झील है।

• 2033 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र और 96.5 किलोमीटर की अधिकतम लंबाई के साथ, यह पश्चिम बंगाल में सुंदरबन के बाद भारत में दूसरा सबसे बड़ा रामसर स्थल है।

• झील का उद्गम चार नदियों मीनाचिल, अचनकोविल, पम्पा और मनीमाला में है।

• यह अरब सागर से एक संकीर्ण बैरियर द्वीप द्वारा अलग किया गया है और केरल का लोकप्रिय बैकवाटर है।

• वल्लम काली (यानी नेहरू ट्रॉफी बोट रेस) एक स्नेक बोट रेस है जो हर साल अगस्त के महीने में वेम्बनाड झील में आयोजित की जाती है।

• कुमारकोम पक्षी अभयारण्य झील के पूर्वी तट पर स्थित है।

## सरदार सरोवर डैम

### सन्दर्भ

गुजरात की जीवन रेखा कही जाने वाली नर्मदा नदी पर सरदार सरोवर बांध हाल ही में अपनी उच्चतम क्षमता तक भर गया था।

### प्रमुख बिंदु

• बांध का जल स्तर हाल ही में ऐतिहासिक 138.68 मीटर तक पहुंच गया है जो बांध की उच्चतम क्षमता से ऊपर है।

• यह इतिहास में तीसरी बार है कि बांध 2019 और 2020 के बाद अपनी उच्चतम क्षमता तक भर गया है।

### महत्व

• वर्तमान में बाँध में 5.75 लाख करोड़ लीटर पानी का भंडार करके यह सुनिश्चित किया की आने वाली गर्मियों में राज्य को पानी की कमी का सामना न करना पड़े।

• सरकार ने कहा कि बांध के क्षेत्र के किसानों को रबी फसलों के लिए पानी उपलब्ध कराया जा सकता है।

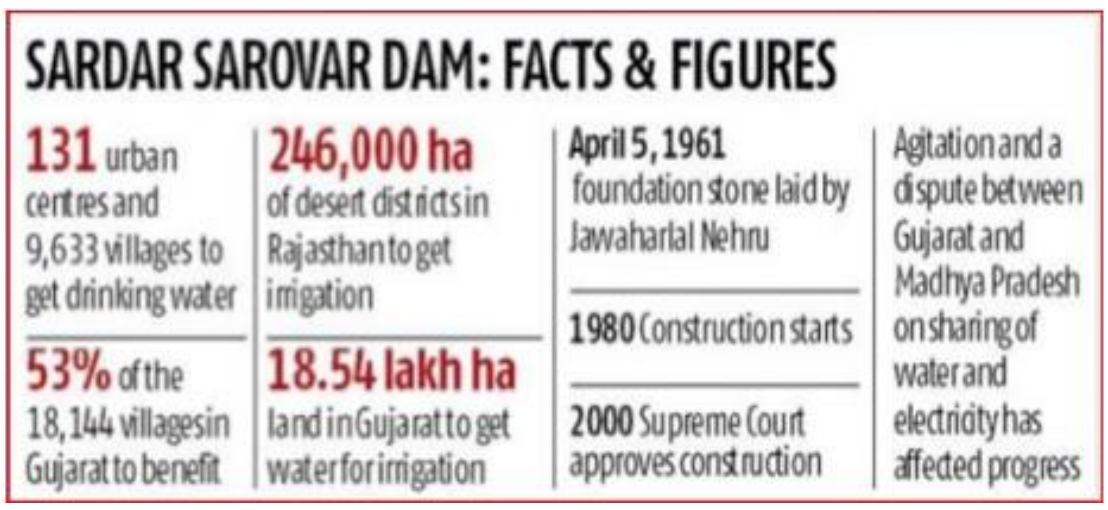


### डैम के बारे में

• सरदार सरोवर बांध भारत के गुजरात राज्य में नर्मदा जिले के केवड़िया शहर के पास नवगाम में नर्मदा नदी पर बना एक ठोस गुरुत्वाकर्षण बांध है।

• चार भारतीय राज्यों गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान, को पानी और बिजली उपलब्ध कराने के लिए बांध का निर्माण किया गया था ।

• बांध भारत में तीसरा सबसे ऊंचा कंक्रीट बांध (163 मीटर) है, पहले दो हिमाचल प्रदेश में भाखड़ा (226 मीटर) और उत्तर प्रदेश में लखवार (192 मीटर) हैं।

## भारत में असमानता-2022

### सन्दर्भ

ऑक्सफैम इंडिया ने 2004-05 से 2019-20 तक रोजगार और श्रम पर सरकारी आंकड़ों को संकलित करने के बाद रिपोर्ट जारी की।

### प्रमुख निष्कर्ष

• श्रम बाजार में असमानता तब होती है जब समान क्षमता वाले लोगों के साथ उनकी पहचान या सामाजिक पृष्ठभूमि के कारण अलग व्यवहार किया जाता है।

• भारत में महिलाओं के लिए श्रम बल की भागीदारी दर 42.7% (2004-05) से घटकर 25.1% (2021) हो गई।

• 2019-20 में, सभी पुरुषों के 60% के मुकाबले सभी महिलाओं में से केवल 19% के पास नियमित वेतनभोगी या स्व-नियोजित नौकरी थी।

• महिलाओं की औसत कमाई रु.6626, पुरुषों के रु 15996 के मुकाबले काफी कम रही ।

• महिलाओं के खिलाफ भेदभाव इतना अधिक है कि धर्म या जाति आधारित उप समूहों या ग्रामीण-शहरी विभाजन में शायद ही कोई अंतर है।

• अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और मुस्लिम समुदायों के लोगों के वेतन में समग्र असमानता जहां नियमित/वेतनभोगी नौकरियों में कम हुआ, वहीं महिलाओं के लिए यह बढ़ गया।

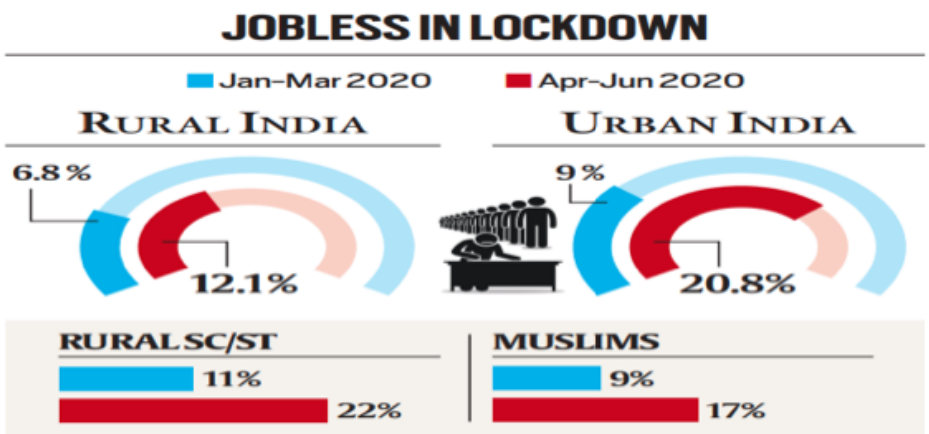


---

## अभद्र भाषा पर विधि आयोग की रिपोर्ट 267

### सन्दर्भ

नफरत फैलाने वाले भाषण पर विधि आयोग की रिपोर्ट 267 की सिफारिशों को लागू करने के लिए उचित कदम उठाने के लिए केंद्र को निर्देश देने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट (एससी) में एक याचिका दायर की गई है।

### प्रमुख बिंदु

• याचिका के संदर्भ में, चुनाव आयोग ने अदालत में प्रस्तुत किया है कि:

• भारत में "अभद्र भाषा" पर कोई कानून नहीं है और इसलिए यह भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 के प्रावधानों पर निर्भर रहा है।

• चुनाव के दौरान "अभद्र भाषा" के मुद्दे को सुप्रीम कोर्ट ने 2014 के मामले में प्रवासी भलाई संगठन बनाम भारत संघ में निपटाया था।

• सुप्रीम कोर्ट ने अभिराम सिंह बनाम कमाचेंन मामले में कहा कि किसी भी उम्मीदवार के साथ-साथ मतदाताओं की वर्णात्मक पहचान (धर्म, जाति, जाति, समुदाय या भाषा) से अपील करना आरपीए 1951की धारा 123(3) के तहत 'भ्रष्ट आचरण' है।

• चुनाव आयोग ने, उपरोक्त सुप्रीम कोर्ट के फैसले का जिक्र करते हुए, आदर्श आचार संहिता में दिशा-निर्देश पेश किए, जिसमें पार्टियों को सांप्रदायिक बयान देने से रोकने के लिए कहा गया।

### प्रवासी भलाई संगठन बनाम भारत संघ (2014)

• याचिकाकर्ताओं ने निर्वाचित प्रतिनिधियों, राजनीतिक और धार्मिक नेताओं द्वारा दिए गए "भड़काऊ भाषणों" को असंवैधानिक घोषित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप की मांग की।

• सुप्रीम कोर्ट के अनुसार मौजूदा कानूनों के लागू होने से समस्या काफी हद तक हल हो जाएगी।

### मामला अंततः विधि आयोग को भेजा गया था -

- यह जांचने के लिए कि क्या अभिव्यक्ति को भड़काऊ भाषण परिभाषित करना उचित है।
- भड़काऊ भाषणों को रोकने के सम्बन्ध में चुनाव आयोग को और अधिक शक्ति प्रदान करने के लिए संसद को सिफारिश करना।

### रिपोर्ट की सिफारिश

• आयोग ने अपनी 267वीं रिपोर्ट में न ही भड़काऊ भाषा को परिभाषित किया और न ही चुनाव आयोग को इस विषय में राजनीतिक दलों की मान्यता समाप्त करने सम्बन्धी सहित कोई शक्ति प्रदान करने की सिफारिश की।

• हालांकि, भड़काऊ भाषा से संबंधित मुद्दों को संबोधित करने के लिए, आईपीसी में नए प्रावधानों को शामिल करने की सिफारिश की गई थी:

धारा 153सी - धर्म, नस्ल, जाति या समुदाय, लिंग, लिंग पहचान, यौन अभिविन्यास, जन्म स्थान, निवास, भाषा, विकलांगता या जनजाति के आधार पर घृणा को बढ़ावा देना।

धारा 505ए - कुछ मामलों में भय, चेतावनी या हिंसा भड़काने के लिए दंड देना।

## शक्ति भट्ट पुरस्कार 2022

### सन्दर्भ

लेखक मनोरंजन ब्यापारी की चांडाल जिबोन त्रयी के पहले खंड, द रनवे बॉय, जिसका बंगाली से वी रामास्वामी द्वारा अनुवाद किया गया है, ने 2022 में शक्ति भट्ट पुरस्कार जीता है।

### प्रमुख बिंदु

- उनके लेखन ने उस हिंसा पर प्रकाश डाला है जो गरीबी और जाति की राजनीति पैदा करती है।
- हाशिए पर रहने और शारीरिक और आध्यात्मिक दोनों तरह की भूख पर क्रोध से भर गया है, कि ऐसे भूले हुए लोगों को पीढ़ी दर पीढ़ी सहना पड़ता है।
- शक्ति भट्ट पुरस्कार, लेखकों द्वारा संचालित एक स्वतंत्र पुरस्कार, दक्षिण एशिया के साहित्य को मान्यता देता है।

## शून्य फोरम

### संदर्भ

नीति आयोग ने हाल ही में दिल्ली में भारत के शून्य प्रदूषण ई मोबिलिटी अभियान की पहली वर्षगांठ मनाने के लिए पहले शून्य फोरम की मेजबानी की।

### प्रमुख बिंदु

- आयोजन के दौरान स्वदेशी बैटरी उद्योग द्वारा भारत के लिए प्रस्तुत आर्थिक अवसरों पर प्रकाश डालने वाली तीन-रिपोर्ट श्रृंखला का विमोचन किया गया।
- शून्य पहल उपभोक्ताओं और उद्योग के साथ काम करके शून्य-प्रदूषण वितरण वाहनों को बढ़ावा देती है।
- अभियान का उद्देश्य शहरी डिलीवरी सेगमेंट में इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में तेजी लाना और शून्य-प्रदूषण वितरण के लाभों के बारे में उपभोक्ता जागरूकता पैदा करना है।
- भारत में माल परिवहन से संबंधित कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन का 10% हिस्सा शहरी मालवाहक वाहनों का है, और इन उत्सर्जन के 2030 तक 114% बढ़ने की उम्मीद है।
- ईवी से कोई टेलपाइप उत्सर्जन नहीं होता है, जो बेहतर वायु गुणवत्ता में अत्यधिक योगदान दे सकता है।
- वे अपने आंतरिक दहन इंजन समकक्षों की तुलना में 15 से 40% कम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जित करते हैं और उनके निर्माण के दौरान भी उनकी परिचालन लागत कम होती है।

## विशेष अभियान 2.0 के लिए स्वच्छता पोर्टल

### सन्दर्भ

कार्मिक, पेंशन और लोक शिकायत राज्य मंत्री ने हाल ही में विशेष अभियान 2.0 के लिए स्वच्छता पोर्टल लॉन्च किया।

### प्रमख बिंद

- 2 अक्टूबर 2022 को शुरू होने वाला यह अभियान स्वच्छता और सरकारी कार्यालयों में लंबित कार्य को कम करने के लिए समर्पित है।
- 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2022 तक विशेष अभियान 2.0 के दायरे और जनादेश का विस्तार किया गया है और सभी मंत्रालयों, विभागों और संबद्ध कार्यालयों के अलावा सभी क्षेत्रीय कार्यालयों को अभियान में शामिल किया गया है।
- अब तक मंत्रालयों और विभागों द्वारा स्वच्छता अभियान चलाने के लिए 67 हजार से अधिक स्थलों की पहचान की गई है और इस महीने के अंत तक इसके एक लाख स्थलों तक पहुंचने की संभावना है।
- विशेष अभियान 2022 संदर्भों के समय पर निपटान और एक स्वच्छ कार्यक्षेत्र के महत्व को मजबूती प्रदान करता है।
- इस महीने भर चलने वाले अभियान के दौरान 1.5 लाख से अधिक डाकघरों, विदेशी मिशनों, रेलवे स्टेशनों और अन्य सार्वजनिक कार्यालयों को मिशन मोड में शामिल करने की उम्मीद है।

## अन्य महत्त्वपूर्ण खबरें

## एक्सटेंडेड रियलिटी

### सन्दर्भ

इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय (MeitY) के स्टार्टअप हब ने हाल ही में एक त्वरक कार्यक्रम शुरू करने के लिए सोशल मीडिया दिग्गज, मेटा के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।

के स्टार्टअप का समर्थन करेगा।

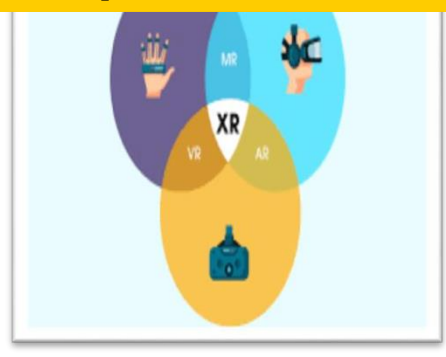


• एक्सआर सभी इमर्सिव प्रौद्योगिकियों - ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर), वर्चुअल रियलिटी (वीआर), और मिक्स्ड रियलिटी (एमआर) के लिए एक उभरता हुआ शब्द है।

• ऑगमेंटेड रियलिटी में, आभासी जानकारी और वस्तुएं वास्तविक दुनिया की जगह लेती हैं। यह अनुभव इमेज, टेक्स्ट और एनिमेशन जैसे डिजिटल विवरण के साथ वास्तविक दुनिया को बेहतर बनाता है।

• एक वर्चुअल रियलिटी में, उपयोगकर्ता पूरी तरह से एक नकली डिजिटल वातावरण में होता हैं। व्यक्तियों को एक कृत्रिम दुनिया का 360-डिग्री दृश्य प्राप्त करने के लिए VR हेडसेट या हेड-माउंटेड डिस्प्ले लगाया जाता है जिससे मस्तिष्क को यह लगता है की यह वास्तविक है, जैसे, चंद्रमा पर चलना।

• मिक्स्ड रियलिटी में, डिजिटल और वास्तविक दुनिया की वस्तुएं सह-अस्तित्व में हैं और वास्तविक समय में एक दूसरे के साथ बातचीत कर सकती हैं। यह नवीनतम इमर्सिव तकनीक है और इसे कभी-कभी हाइब्रिड रियलिटी के रूप में जाना जाता है। इसके लिए (एमआर) हेडसेट और (वीआर) या (एआर) की तुलना में बहुत अधिक प्रोसेसिंग पावर की आवश्यकता होती है। Microsoft का HoloLens एक बेहतरीन उदाहरण है।

## ग्रीन फिन्स हब

### सन्दर्भ

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) ने यूके स्थित चैरिटी रीफ-वर्ल्ड फाउंडेशन के साथ मिलकर हाल ही में ग्रीन फिन्स हब लॉन्च किया।

### प्रमुख बिंदु

• यह एक वैश्विक डिजिटल प्लेटफॉर्म है जो दुनिया भर में डाइविंग और स्नॉर्कलिंग ऑपरेटरों को आजमाए हुए और परीक्षण किए गए समाधानों का उपयोग करके अपनी दैनिक प्रथाओं में सरल, किफ़ायती बदलाव करने में मदद करेगा।

• इससे सर्वोत्तम अभ्यास, ज्ञान और नागरिक विज्ञान की पहुंच में वृद्धि होगी।

• यह स्थायी समुद्री पर्यटन को बढ़ावा देगा। कोरल रीफ, हालांकि समुद्री संबंधित पर्यटन के माध्यम से कुछ द्वीप देशों में सकल घरेलू उत्पाद में 40% या उससे अधिक का योगदान करते हैं, सबसे कमजोर पारिस्थितिकी तंत्र हैं।

## राजभाषा कार्यान्वयन समिति

### सन्दर्भ

गृह मंत्रालय ने विदेश मंत्रालय से एक राजभाषा कार्यान्वयन समिति गठित करने को कहा है।

### प्रमुख बिंदु

• यह विदेशों में सभी सरकारी संस्थानों में आधिकारिक कार्यों में हिंदी की प्रगति की निगरानी करेगा।

• गृह मंत्रालय ने बैंकों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, दूतावासों और विदेशों में स्थित अन्य सरकारी कार्यालयों में आधिकारिक कार्यों के लिए हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने का भी अनुरोध किया है।

## मानसबल झील

### सन्दर्भ

मध्य कश्मीर की मानसबल झील तीन दशक से अधिक समय के बाद एक बार फिर राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेटों के प्रशिक्षण अभ्यास के लिए खुली है।

### प्रमुख बिंदु

• यह गांदरबल जिले में स्थित मीठे पानी की झील है।

• मानसबल नाम मानसरोवर झील का व्युत्पन्न माना जाता है।

• यह भारत में सबसे गहरी झील (13mor43ft गहराई पर) में स्थापित है।

• झील की परिधि में कमल (नेलुम्बो न्यूसीफेरा) की बड़ी वृद्धि (जुलाई और अगस्त के दौरान खिलती है) झील की सुंदरता में इजाफा करती है।

• नूरजहाँ द्वारा निर्मित मुगल उद्यान, जिसे जारोका कहा जाता है, (जिसका अर्थ है बे खिड़की) से झील दिखाई देती है। झील कश्मीर में जलीय पक्षियों के सबसे बड़े प्राकृतिक स्टैम्पिंग मैदानों में से एक है और इसे "कश्मीर की सभी झीलों का सर्वोच्च रत्न" कहा जाता है।

# लोक शाहिर अन्नाभाऊ साठे

## प्रसंग

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री ने मॉस्को में ऑल-रूस स्टेट लाइब्रेरी फॉर फॉरेन लिटरेचर में लोक शाहिर (बैलाडर) अन्नाभाऊ साठे की प्रतिमा का अनावरण किया।

## प्रमुख बिंदु

• तुकाराम भाऊराव साठे, जिन्हें बाद में अन्नाभाऊ साठे के नाम से जाना जाने लगा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के सदस्य थे, और भारत के उन चुनिंदा लेखकों में
शामिल थे जिनके काम का रूसी में अनुवाद किया गया था।

• साठे का काम मार्क्सवाद से प्रभावित था, लेकिन साथ ही उन्होंने जाति व्यवस्था की कठोर वास्तविकताओं को सामने लाने का कार्य किया।

• उनका जन्म सतारा जिले के एक दलित परिवार में हुआ था।

• उन्होंने एक श्रम अध्ययन मंडली में पढ़ना और लिखना सीखा, जिसमें वे आर बी मोर के माध्यम से शामिल हुए, जिनसे वे महाड में प्रसिद्ध 'चावदार झील' सत्याग्रह से परिचित हुए। आरबी मोरे डॉ बाबासाहेब अम्बेडकर के सहयोगी थे।

• उन्होंने दलित युवक संघ, एक सांस्कृतिक समूह का गठन किया और श्रमिकों के विरोध, आंदोलन पर कविताएँ लिखना शुरू किया।

• 1939 में, उन्होंने मैक्सिम गोर्की, एंटोन चेखव, लियो टॉल्स्टॉय, इवान तुर्गनेव के रूसी कार्यों से प्रेरित होकर अपना पहला गाथागीत 'स्पेनिश पोवाडा' लिखा, जिसका मराठी में अनुवाद किया गया। बंगाल के अकाल पर उनके 'बंगालची हक' (बंगाल की पुकार) का बंगाली में अनुवाद किया गया और बाद में लंदन के रॉयल थियेटर में प्रस्तुत किया गया।

• उन्होंने अपना सबसे प्रसिद्ध उपन्यास फकीरा डॉ अम्बेडकर को समर्पित किया।

**MCQ**, **Current Affairs**, **Daily Pre Pare**



**Face to Face Centres**

**DELHI MUKHERJEE NAGAR:** 9205274741, 42 | **LAXMI NAGAR :** 9205212500, 9205962043 | **RAJENDRA NAGAR:** 9205274743 | **UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ:** 0532-2260189, 8853467068 | **LUCKNOW** (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | **LUCKNOW** (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | **GREATER NOIDA:** 9205336037, 38 | **KANPUR:** 7887003962, 7897003962 | **GORAKHPUR** : 7080847474, 9161947474 | **ODISHA BHUBANESWAR:** 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com